Global Alliance for
Disaster Risk Reduction & Resilience
in the Education Sector

बाल केंद्रित जोख़िम न्यूनीकरण शोध–से–संकल्प संक्षेप:

बचपन और आपदा जोख़िम न्यूनीकरण

जैकलीन हाइउन [1] मारिया पेटली[2]

[1] मेक्वायर यूनिवर्सिटी, सिडनी, आस्ट्रेलिया

[2] सेव द चिल्ड्रेन

उद्देश्य कथन

शोध–से–संकल्प श्रृंखला बाल केंद्रित जोखिम न्यूननीकरण (सीसीआरआर–CCRR.), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सीसीए–CCA.) और स्कूल सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए बहुत सारे विषयों पर अकादमिक और अन्य साहित्य का सार संक्षेप उपलब्ध कराता है। इस सार संक्षेप का उद्देश्य, त्रासदी जोखिम न्यूनन में बच्चों को शामिल करने के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए शोध परिणामों की संक्षिप्त समीक्षा उपलब्ध कराना है।

शोध– से–संकल्प संक्षेप की संपूर्ण श्रृंखला यहां उपलब्ध है:

www.gadrrres.net/resources

सी एंड ए फाउंडेशन और सी एंड ए के सहयोग से सेव द चिल्ड्रेन और रिस्क फ्रंटियर्स द्वारा प्रस्तुत

सार

खतरों के प्रभावों और आशंकाओं को समुचित तैयारी एवं जोख़िम में कमी लाकर काफी हद तक बदला जा सकता है। आपदा जोख़िम में कमी (DRR) लाने वाले कारकों को दस्तावेज का रूप दिया गया है और इसे व्यापक तौर पर लागू भी किया गया है। हालांकि, बहुत कम उम्र के बच्चों और स्कूल जाने से पहले की उम्र के बच्चों के डीआरआर (DRR) की बारीकियों से संबंधित बहुत कम शोध उपलब्ध हैं, बावजूद इसके कि आठ साल से कम उम्र के बच्चों में इसके होने की आशंका बहुत अधिक है। यह शोध पत्र बचपन के प्रारंभिक दिनों और डीआरआर (DRR) के संबंध में शोध और लिटरेचर की समीक्षा करता है। बचपन पर ध्यान केंद्रित कर इसे राष्ट्रीय, सामुदायिक, कक्षा और घरेलू स्तर पर समाहित किया जा सकता है। छोटे बच्चों के डीआरआर(DRR) के आकलन के लिए जो प्रक्रिया अपनायी जाती है उससे इस आयु वर्ग के लिए जागरुकता और समर्थन को प्रोत्साहन मिलता है। सूचनाएं साझा करना और सहभागिता वाले कार्यकलापों से स्कूल जाने से पहले की उम्र के बच्चों की क्षमताओं का पता चलता है जो एक प्रभावशाली डीआरआर (DRR) मेकानिज्म है।

शब्दावलि

शब्द	परिभाषा
सीसीडीआरआर(CCDRR)	बाल–केंद्रित आपदा जोख़िम न्यूनीकरण
डीआरआर (DRR)	आपदा जोख़िम न्यूनीकरण
इसीडी(ECD)	शैशवावस्था पूर्व विकास
इसीडीआरआर (ECDRR)	शैशवावस्था आपदा जोख़िम न्यूनीकरण
इसीसीइ (ECCE)	शैशवावस्था देखभाल और शिक्षा
आइएनइइ (INEE)	इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर एजुकेशन इन इमरजेंसीज
यूनिसेफ (UNICEF)	संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपात निधि
यूएनआइएसडीआर(UNISDR)	संयुक्त राष्ट्र आपदा जोख़िम न्यूनीकरण कार्यालय

परिचय

छोटे बच्चे जो आपदा का अनुभव करते हैं उनमें चोट लगने, कुपोषण, दिव्यांगता और बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। आठ साल से कम उम्र के बच्चे खासतौर पर आसानी इप आपदाओं की श्रेणी में आ जाते हैं। संकट और आघात छोटे बच्चों की वृद्धि और विकास पर असर डालते हैं और जिससे दीर्घावधि के स्वास्थ्य, तंत्रिका संबंधी और मनोवैज्ञानिक परिणाम हो सकते हैं। (यूनिसेफ., 2011, 2017)। जिन नवजातों का दूध छुड़ाया गया हो और जो बच्चे कमजोर सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं उनकी पहचान सबसे अधिक जोख़िम वाले समूहों के रूप में की गयी है। ये आपदा के बाद उपेक्षा, दुर्व्यवहार और मृत्यु के शिकार हो सकते हैं। (डाटार और अन्य., 2013), इसलिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय, समाज, कक्षा और घरेलू स्तर पर बचपन में जोख़िम न्यूननीकरण (इसीडीआरआर–ECDRR) पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है।

बचपन का महत्व

बचपन जीवन के महत्वपूर्ण विकासात्मक चरण को दर्शाता है – गर्भाधान से लेकर आठ वर्ष की आयु तक। इस चरण के दौरान ही शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की आधारशिला रखी जाती है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बचपन के तनाव और बिखराव, जीवन के तंत्रिका संबंधी, जीववैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक परिणामो पर असर डाल सकते हैं। हालांकि हाल के दिनों में एपीजेनेटिक्स (जीन विज्ञान) के क्षेत्र में हुई प्रगति ने पहले वर्ष के जीवन अनुभवों की भूमिका को समझने में मदद की है (लेकमैन और अन्य., 2014)। हम जानते हैं कि बाहरी वातावरण के कारक जैसे विध्वंस से सामना, विस्थापन और/या अपने नजदीकी ख्याल रखने वालों को खो देना, छोटे बच्चे के विकासशील मस्तिष्क का वास्तुशिल्प तक बदल सकते हैं।

तीन से चार वर्ष की उम्र के बच्चे डीआरआर (DRR)को समझ सकते हैं और इसमें योगदान दे सकते हैं

शुरुआती साल में बच्चे लगाातार देखभाल, सम्मानजनक रिश्तों और खेलने–कूदने और अन्य गतिविधियों के लिए पर्याप्त अवसर पाकर फलते फूलते हैं। बचपन के गुणवत्तापूर्ण शुरुआती कार्यक्रम सहित शुरुआती सालों में लालन–पालन संबंधी अनुभव स्वच्छंदता से जुड़े हुए हैं और स्वस्थ सामाजिक व्यवहारों की प्रेरणा देते हैं और गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ते हैं।(एस्चेविनहार्ट और अन्य., 2005; एंजेल और अन्य., .2007., पीक, 2008., शोनकोफ,ब्वायस और मैक्वेन,.2009)। वास्तव में बचपन की गुणवत्तापूर्ण सेवाएं–जिनमें घर के दौरे, नर्सरी स्कूल, प्री–प्राइमरी और छोटे बच्चों और परिवारों के लिए अन्य औपचारिक और अनौपचारिक कार्यक्रम–की पहचान सबसे प्रभावी निवेश के रूप में की गयी है जो एक राष्ट्र कर सकता है।(हेकमैन, 2006; ओइसीडी, 2017)।

जोख़िम न्यूनीकरण और बच्चे

घरेलू और समुदाय आधारित आपदा जोख़िम न्यूनीकरण (सीबीडीआरआर –CBDRR) के क्षेत्र में व्यापक शोध और नीतिगत कार्यों के साथ व्यापक स्कूल सुरक्षा(सीएसएस–CSS) पर भी कार्य हुए हैं। इन क्षेत्रों पर बचपन के नज़रिए से विचार करने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि छोटे बच्चों की मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आवश्यकताओं को मुसीबतों और रुकावटों के संदर्भ में विशेष रूप से संबोधित किया जाए और उस सुविधा को जोख़िम के प्रभाव से सुरक्षित रखा जाए जहां छोटे बच्चे और कर्मचारी खतरों से बचाव के लिए एकत्र होते हैं। बच्चों की सुरक्षा, अस्तित्व, शिक्षा, और विकास के अधिकार की रक्षा करने के लिए जोख़िम और खतरों की एक व्यापक श्रृंखला पर ध्यान देना होगाः

- बड़े पैमाने के तीव्र, बार– बार, और धीमी प्रकृति की आपदाएं और खतरे जिनमें तूफान, बाढ़, आग और भूकंप शामिल हैं।
- लोगों द्वारा उत्पन्न बड़े पैमाने के खतरे, जैसे खतरनाक सामग्री छोड़ देना, संघर्ष और हिंसा।
- हर दिन के खतरों जैसे सड़क दुर्घटनाएं, डूबना, वायु प्रदूषण, घरेलू दुर्घटनाएं और गुम हो जाना।

बचपन में आपदा जोख़िम न्यूनीकरण

बाल केंद्रित आपदा जोख़िम न्यूनीकरण (सीसीडीआरआर–CCDRR), बच्चों की पहचान, जोख़िम न्यूनीकरण सहनशीलता प्रयासों के चालक के रूप में करता है

जिनमें जरूरतों की पहचान की क्षमता है और जो अपने घरेलू, स्कूल और समुदाय की सुरक्षा में बेहतरी कर सकते हैं(पेनरोज और टकाकी, 2006)। सीसीडीआरआर (CCDRR)के अंतर्गत छोटे बच्चों की जरूरतों और भूमिकाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। आठ साल से कम उम्र के बच्चों पर ध्यान केंद्रित करना बचपन में आपदा जोख़िम न्यूनीकरण (ECDRR) के रूप में जाना जाता है। 3 और 4 साल के बच्चे समझ सकते हैं और जोख़िम न्यूनीकरण (डीआरआर– DRR) में अपना योगदान दे सकते हैं; उदाहरण के लिए जोख़िम और मुसीबतों की पहचान, सुरक्षित स्थल खोजना, जल्दी से स्थान खाली करने की प्रक्रिया में भाग लेना और दूसरों की मदद करना। प्रभावी और टिकाऊ जोख़िम न्यूनीकरण (डीआरआर– DRR) के लिए छोटे बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों की भागीदारी और क्षमताओं को स्वीकार करना और उन्हें उचित स्थान देना महत्वपूर्ण है।

बचपन का विकास तीन चरणों में होता है। हालांकि यहां यह महत्वपूर्ण है कि ये चरण आपस में एक दूसरे के साथ मिश्रित भी होते हैं; यह हर बच्चे की स्थिति, उसकी परिपक्वता और भाषा के स्तर पर निर्भर करता है। तीनों चरण और इसीडीआरआर(ECDRR) से तालमेल का उनका विवरण इस प्रकार हैं:

जन्म से लेकर करीब 2 साल की उम्र तक: इस चरण में इसीडीआरआर(ECDRR) का महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु देखभाल करने वालों तक सूचना का प्रसार और जहां बच्चे अपना समय गुजारते हैं वहां के परिवेश की भौतिक सुरक्षा है। इन बच्चों के किसी औपचारिक परिवेश (जैसे प्री–स्कूल) में रहने की संभावना कम है, वहां यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है कि सेवा करने वालों को इस बात के लिए प्रशिक्षित किया जाए कि वे आपात स्थिति में जगह खाली करने की योजना और आपूर्ति, और इस बारे में जानकारी रखें कि खतरे के प्रभाव से निबटने के लिए सहायता कहां से ली जाएगी।

प्री स्कूली बच्चे (करीब 3 से 5 साल के): यहां इसीडीआरआर (ECDRR), सुविधाओं और क्लास रूम की गतिविधियों की भौतिक सुरक्षा में लगा होता है जो डीआरआर(DRR) समस्याओं को हल करने को प्रोत्साहित करता है। स्कूल जाने से पहले के उम्र के बच्चे डीआरआर(DRR) की सूचना के अपने परिवार और समाज में प्रसार में सहायक हो सकते हैं।

स्कूल के प्रारंभिक वर्षों में (करीब 6 से 8 वर्ष के बच्चे): यहां इसीडीआरआर(ECDRR) की भागीदारी और कार्यक्रमों को व्यापक स्कूल सुरक्षा ढांचे (जीएडीआरआरआरइएस–GADRRES, 2014) के तहत एकीकृत किया जा सकता है; जो सुरक्षित स्कूल की सुविधाओं, स्कूल में आपदा प्रबंधन और जोख़िम को कम करने और लचीली शिक्षा व्यवस्था को समाहित करता है।

इसीडीआरआर (ECDRR)में राष्ट्रीय/क्षेत्रीय,स्कूल/समुदाय, घरेलू और कार्यक्रमों के स्तर पर कार्रवाई शामिल है। आगे दिये गये खंडों में प्रत्येक स्तर पर की जा सकने वाली कार्रवाई का उल्लेख किया गया है।

सुविधा स्थल की सुरक्षा के विशेष संकेतक जो बच्चों के लिए हैं उन पर अवश्य विचार किया जाना चाहिए

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर पर इसीडीआरआर(ECDRR)

ज्यादातर देशों ने बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय योजनाएं विकसित की हैं। ये योजनाएं अक्सर इसीडीआरआर (ECDRR) के लिए अच्छा आधार मुहैया कराती हैं।जो राष्ट्रीय नीतियां और प्रक्रियाएं गुणवत्तापूर्ण बाल कार्यक्रम को बढावा देती हैं और इस तक पहुंच सुलभ बनाती हैं डीआरआर (DRR) में योगदान करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसीसीइ(ECCE) सेवाएं और कार्यक्रम अपनी प्रकृति के अनुसार शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा प्रदान करने वाले स्थल हैं (कोंडो, 2014)। हालांकि सिर्फ उच्च मापदंड वाले वही कार्यक्रम जो बच्चों पर केंद्रित, कर्मचारियों भरपूर और सम्मानजनक हैं सुरक्षात्मक वातावरण प्रदान कर सकते हैं। जो कार्यक्रम

राष्ट्रीय गुणवत्ता के मापदंड पूरा नहीं करते हैं वह वास्तव में नुकसान पहुंचाते हैं(ओइसीडी 2017)।

सामुदायिक स्तर पर इसीडीआरआर(ECDRR)

यहां इसीडीआरआर(ECDRR) तीन गतिविधियों से जुड़ा हैः–

1 बाल केंद्रित स्थानीय जरूरतों का मूल्यांकन करना जोखिम न्यूनीकरण का आधारभूत अंग है। स्थानीय स्तर पर खतरों और प्रभाव की पहचान; साथ ही साथ समुदाय के बच्चों के प्रति अनुकूल माहौल(एनएस डब्लू कमीशन फॉर चिल्ड्रन एंड यंग पीपल, 2008)। 4 देशों के शोधकर्ताओं ने एशिया प्रशांत के उच्च जोखिम वाले आपदा क्षेत्र के समुदाय के अंदर बाल मित्र 4 डज़ेमेन की पहचान की हैः (1) रुख (2) सेवा समन्वय (3समावेशन और (4) शासन(कॉलिनन और हेयडेन,2017)। हर एक को मापने के लिए संकेतक विकसित किए गये और इन्हें हर संदर्भ के लिए अनुकूलित किया गया। छोटे बच्चों और परिवारों को सहयोग करने वाले समुदाय जिन्होंने उच्च मापदंडों को पूरा किया उन्होंने ही डीआरआर(DRR) के मापदंडों को भी पूरा किया।

इन कारकों में शामिल हैः

- समुदाय में विश्वसनीय संस्थाएं विद्यमान हैं (चर्च, एनजीओ दाता एजेंसियां)।
- समुदाय के भीतर ही सुरक्षा की एक भावना है
- समुदाय के भीतर बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए विशेषज्ञता है।
- छोटे बच्चों के लिए संगठनों और सेवाओं को एक साथ काम करते देखा जा सकता है।
- हाशिए पर के समूह और प्रभावित लोग जीवन में असर डालने वाले विकास और नीतियों व प्रक्रियाओं मे अपनी आवाज उठा सकते हैं।
- छोटे बच्चों वाले परिवार सूचना का प्रसार करने के लिए प्रभावी माध्यम हैं।
- मुद्रित और मीडिया के संदेश समुदाय के लोगों तक उनकी ही भाषा में दिए जाते हैं।

शिक्षक, स्वास्थ्य कर्मी और सामुदायिक संस्थाएं इसीडीआरआर (ECDRR) के मूल्यांकन को देखती हैं। कई मामलों में मूल्यांकन प्रक्रिया ही समाज के छोटे बच्चों की जरूरतों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करती है और इसके फलस्वरूप नीतियों और समर्थन में वृद्धि होती है। इसीडीआरआर (ECDRR) के आकलन का यह टूल विभिन्न समुदाय द्वारा आसानी से अंगीकार और इस्तेमाल किया जा सकता है(हेयडन और कोलेगन, 2011)। इस टूल को देखने के लिए वेब लिंक पर जाएं https://www.preventionweb.net/files/27602asiachildrendisasterriskreduction3s.pdf

2. निर्मित माहौल के खतरों को कम करना

छोटे बच्चों की सेवा करने वालों की सुरक्षा के विशिष्ट संकेतकों पर अवश्य विचार किया जाना चाहिए। स्कूल सुरक्षा के व्यापक ढांचे और इसके लक्ष्य का संकेतक पूरा मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। एक सुरक्षित वातावरण के संकेतक हैंः

- हर नई सुविधा एक सुरक्षित सुविधा है इसलिए सुविधाओं के सुरक्षित निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों से मार्गदर्शन और नियम उपलब्ध हैं। सुरक्षित स्कूल या आश्रय स्थल का चयन, डिजाइन और निर्माण की संबंधित अधिकारियों द्वारा निगरानी की जाती है।

- मौजूदा प्री–स्कूल और बाल केंद्र व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित बनाये जाते हैं, मूल्यांकन और प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन बजट के साथ पुराने और असुरक्षित सुविधाओं को बदलला जा सकता है।

- शिक्षा अधिकारी नियमित देखभाल, जोख़िम कम करने, सुरक्षा बढाने और और इसीसीइ निवेश की सुरक्षा को बढावा देते हैं।

- बाल सेवा केंद्रों में हर साल खतरे और जोख़िम का मूल्यांकन होता है। स्थानीय खबरों के नक्शे छोटे बच्चों के लिए संभावित खतरों को रेखांकित करते हैं। इससे उन जगहों की पहचान होती है जिन से दूर रहना है।

- प्री–स्कूल और अन्य भौतिक संरचनाओं जहां छोटे बच्चे जमा होते हैं वहां के निर्माण मापदंडों को पूरा करना चाहिए। साथ ही स्थान ऐसे होने चाहिए जहां से जगह खाली कराना आसान हो(जैसे भूतल पर)।

- उपकरण और फर्नीचर ऐसे लगाये जाते हैं जिससे गिरने पर चोट कम से कम लगे और आने–जाने के रास्ते को बिल्कुल खाली रखा जाए जिससे स्थान खाली करते वक्त कोई रुकावट पैदा न हो।

- इसीसीइ सुविधाएं और सामुदायिक आश्रय स्थल में खाद्य सामग्री, उपकरण(उदाहरण के लिए बेबी फूड, कॉट, बोतलें, नैपी आदि) और छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त दवाओं का भंडारण किया जाता है

3 सामुदायिक आपदा प्रतिक्रिया योजना में बचपन का केंद्र बिंदु शामिल करना

स्कूलों, प्री स्कूलों और इस तरह के संस्थानों में जोख़िम न्यूननीकरण और प्रतिक्रिया की योजना के लिए कई महत्वपूर्ण मार्गदर्शन सामग्री और अध्ययन विकसित किए गए हैं। इन्हें विभिन्न संदर्भों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है(देखें उदाहरण के लिए अमेरिकन एकेडमी ऑफ पेडियाट्रिक्स 2011, रायोपेल और अन्य, 2004, फेमा 2013)

प्राथमिकताओं में इसीसीइ केंद्रों में आपदा और आपात स्थिति में मानक संचालन प्रक्रिया का एक सेट भी शामिल है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भवन खाली कराने और जमा होने के समय एक सुरक्षित स्थान पर जाने, आश्रय स्थल और परिवार को सुरक्षित सम्मिलन में छोटे बच्चों की जरूरतों का ध्यान जाए (उदाहरण के लिए, ''स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर फॉर डिजास्टर एंड इमरजेंसीज इन स्कूल्स'' इन आइएफआरसी और सेव द चिल्ड्रेन के *पब्लिक अवेयरनेस एंड पब्लिक एजुकेशनः की मैसेजेस* सेकंड एडिशन (2018)। स्थल खाली कराने की योजना में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि छोटे बच्चे गतिशील नहीं होते, छोटे बच्चों और दिव्यांग बच्चों को तेजी से ले जाने के लिए भी याजना और उपकरण शामिल किये जाने चाहिए। इसमें शिशुओं और दिव्यांग बच्चें पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। और योजना शामिल है।(कनिंघम और अन्य. ,2001)

दी यूनिसेफ(2014) *अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट इन इमरजेंसीज इंटीग्रेटेड प्रोग्राम गाइड* सामुदायिक आपातकाल योजना में इन चरणों की सिफारिश करता हैः

- इसीडी(ECD) विशेषज्ञों की एक सूची बनाना जिनको आपातकाल के समय बुलाया जा सके।

- यह सुनिश्चित करना कि आपातकालीन तैयारी अभ्यास और समुदाय के सदस्यों को तैयार करने और आपातकालीन सेवाओं में छोटे बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए।

- शिशु क्लीनिक, पोषण केंद्रों और बच्चों के लिए अनुकूल स्थानों में इसीडी प्ले और मनोरंजन सामग्री जैसे (इसीडी किट्स) स्थापित करना (जहां ये नहीं मिलें ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि ये सुलभ हों)

- समुदाय में सुरक्षित स्थानों और आश्रय स्थल की पहचान ताकि आपातकाल में उसे इसीडी केंद्रों के रूप में उपयोग किया जा सके।

कक्षा के स्तर पर इसीडीआरआर(ECDRR)

शिक्षक और बच्चों को देखभाल उपलब्ध कराने वाले, इसीडीआरआर(ECDRR) कार्यक्रम के मुख्य आधार हैं। शिक्षक इसीडीआरआर(ECDRR) कार्यक्रम गतिविधियों को विकसित, समन्वित कर इसे लागू करते हैं और इसका निरीक्षण करते हैं– और बड़ी बात यह है कि जोख़िम न्यूनीकरण एजेंट के रूप में बच्चों की भागीदारी को सुलभ बनाते हैं (कानोली ओर हेयडेन, 2007) जो दृष्टिकोण और मानक व्यापक स्कूल सुरक्षा के लिए विकसित किये गये हैं वे इसीसीइ(ECCE) सेवाओं और कार्यक्रमों में लागू किये जा सकते हैं(गैडरेस, 2015)। ये दृष्टिकोण परस्पर व्यापी (ओवरलैप किये) तीन डोमेन को संबोधित करते हैं: अधिक सुरक्षित स्कूल सुविधाएं, स्कूल आपदा प्रबंधन, जोख़िम न्यूनीकरण और सहनशीलता शिक्षा ।ये बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों की सुरक्षा, इसीसीइ(ECCE) सेवाओं और कार्यक्रमों तक पहुंच की निरंतरता सुनिश्चित करने, इसीसीइ (ECCE) में निवेशकी सुरक्षा और सहनशीलता की एक संस्कृति विकसित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

आपदा और टकराव के वातावरण में नौ देशों में लागू बचपन के कार्यक्रमों जांच के बाद यह निष्कर्ष सामने आया कि बचपन के कार्यक्रम :

- तबाही और सामुदायिक विघटन के समय भी भौतिक रूप से सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराते हैं,
- बच्चे और उनके परिवारों के मनोवैज्ञानिक रूप से एक सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने पर विचार किया जा सकता है जहां उनकी भावनाओं से निपटा जा सकता है, उस पर विचार किया जा सकता है और उस पर काम किया जा सकता है, इस प्रकार ये चिकित्सा का स्थान हो जाते हैं,
- स्वास्थ्य सेवाओं, आवश्यक संसाधनों और अन्य सामुदायिक सहयोग के नज़रिये से परिवारों के लिए यह प्रवेश बिंदु के रूप में काम करता है,
- ये परिवारों को संगठित करते हैं कि वे बच्चों की आवश्यकताओं की हिमायत करें (कानोली ओर हेयडेन, 2007)

इसीडीआरआर(ECDRR) के लिए संसाधन और कार्यक्रम सहायता

सभी बच्चे धीरे–धीरे व्यवस्थित रूप कौशल और क्षमताएं अर्जित कर लेंगे जो उन्हें खतरे के प्रति और जागरुक होना सिखायेगा और आपदा और आपात स्थिति के लिए तय मानक संचालन प्रक्रियाओं में भागीदारी कर सकेंगे। प्री–स्कूल और बचपन की अन्य सुविधाओं की इसीडीआरआर(ECDRR)गतिविधियों में शामिल है:

- बच्चों को खतरों, जोख़िम और सुरक्षा व्यवहार संबंधी किताबें और फिल्में दिखायी जा सकती हैं, इससे वे सुरक्षा व्यवहार, इसकी अवधारणा के बारे में तस्वीरें बना सकते हैं, कहानिया कह सकते हैं, सुरक्षा व्यवहार के रोल प्ले पर चर्चा कर सकते हैं और कठपुतली और गुड़ियों की सहायता से सुरक्षा रणनीतियों का अभ्यास कर सकते हैं ।
- समुदाय के सभी बच्चों के लिए रोल प्ले, गेम्स, पज़ल्स, गीत, नृत्य, तस्वीरें बनाना, चित्रकारी प्रतियोगिता, समुदाय वाक(कम्युनिटी वाक) और ड्रिल जैसे आयोजनों का उपयोग कर जोख़िम की पहचान, जोख़िम न्यूनीकरण और निकास प्रक्रिया सहित सुरक्षा रूटीन में उनका उन्मुखीकरण किया जा सकता है।
- बच्चे देखभाल स्थल और स्कूल से सुरक्षा संदेश, सूचनाएं और सामग्री का प्रसारण घर तक कर सकते हैं। प्री–स्कूल के बच्चे अपने भाइयों और पड़ोस के दूसरे छोटे बच्चों को सूचनाएं दे सकते हैं।(यूनिसेफ, 2011 b)।
- बच्चे योजना बना सकते हैं और ''निकासी बैकपैक'' तैयार कर सकते हैं। इसमें उनकी व्यक्तिगत जानकारी के साथ आपात आपूर्ति होती है (यूनिसेफ, 2013)।

कार्यक्रमों और संसाधनों का बच्चों के लिए अनुकूलन

टेक्स्ट के स्थान पर तस्वीरें और संकेत रख कर, कठपुतली का उपयोग कर, अवधारणाओं के विस्तार के लिए रोल प्ले अपना कर , अपने विचारों को संचारित करने के लिए चित्र बना कर, कहानियों, त्रि–आयामी मॉडलों, प्ले फिगर्स, रेत या इसी तरह की अन्य सामग्री से मूर्तियां बनाने जैसी गतिविधियां अपना कर बड़े बच्चों के लिए विकसित संसाधन और गतिविधियां छोटे बच्चों के लिए अपनायी जा सकती हैं। लड़कों की बोध क्षमता और योग्यता के अनुकूल प्रश्नों और चर्चा को संशोधित करने के लिए यह उपयोगी रहेगा कि डीआरआर पेशेवर स्थानीय शिक्षकों के साथ मिल कर काम करें जिन्हें स्थानीय संदर्भों की जानकारी है या जिन्हें बचपन का अनुभव है यह

बचपन के कार्यक्रम :

- *भौतिक रूप से सुरक्षित स्थान उपलब्ध करायें*
- *मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करायें*
- *सेवाओं तक पहुंचने वाले परिवारों के लिए प्रवेश बिंदु की तरह कार्य करें*
- *परिवारों को संघटित करें ताकि वे बच्चों की आवश्यकताओं की हिमायत करें*

उनकी सहायता और गतिविधियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सार्थक रूप से लागू हों यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

उन बच्चों तक पहुंचना जो कार्यक्रमों में शामिल नहीं हैं

जिन बच्चों की पहुंच बचपन के कार्यक्रमों तक नहीं है, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा उन्हें कहानी सुना कर, नाटक, कठपुतली शो और अन्य दूसरी गतिविधियां आयोजित कर समुदाय के माध्यम से, पुस्तकालय और जन कार्यक्रमों के जरिये इसीडीआरआर(ECDRR)में शामिल किया जा सकता है। हाल की एक रिपोर्ट में मास मीडिया– जैसे समुदाय के लाउड स्पीकर, रेडियो, टीवी स्पॉट्स के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है उन बच्चों तक डीआरआर संदेश पहुंचाने के लिए जिनकी पहुंच बचपन के कार्यक्रमों तक नहीं है(यूनिसेफ, 2011 b)। उत्तरी आयरलैंड में इस तरह की मीडिया पहल को बच्चों के बीच सूचना संचार और सहायक रुख और व्यवहार विकसित करने में उपयोगी पाया गया(कोनोली और अन्य., 2006) ।

घरेलू स्तर पर इसीडीआरआर(ECDRR)

चर्चाएं ओर कार्य अभ्यास बच्चों को आपात घटना के समय स्थिति नियंत्रण होने का अहसास करायेंगे और वे शांत रहेंगे। परिवार यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि बच्चों को संपर्कों के विवरण(नाम और पते) याद रहें और यह कि सुरक्षा नियमों से भली भांति परिचित हों और उन्हें यह भी मालूम होना चाहिए कि अगर वे बिछड़ जाएं तो सहायता कहां से लेनी है। इसके बदले बच्चे परिवार की सुरक्षा में वे सूचनाएं साझा कर योगदान दे सकते हैं जो प्री–स्कूल व्यवस्था में देखभाल करने वालों से उन्हें मिलती हैं। साथ ही घरेलू निकास योजना विकसित करने को प्रोत्साहित कर सकते हैं और आपात स्थिति में कहां एकत्र होना है और परिवार आपात किट के सुरक्षित भंडारण में सहायता कर सकते हैं**(कृप्या देखें:** http://toolkit.ineesite.org/resources/ineecms/uploads/1058/LetsGetReadyEN.pdf).

आपदा के बाद बच्चों की आवश्यकताएं

आपदा पश्चात वातापरण में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों जैसी त्वरित प्रतिक्रिया से परे बच्चों के स्वास्थ्य लाभ आरै विकास के सर्वश्रेष्ठ अवसर तभी हैं जब उन्हें (1) सुसंगत रिश्ते और (2)सुरक्षित पोषक वातावरण उपलब्ध हो (शोनकॉफ और अन्य., 2012)।

सुसंगत रिश्ते

बच्चों को स्थिर और उत्तरदायी अधिक महत्व के एक या एक से अधिक वयस्कों से संवाद की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि आपदा पश्चात संदर्भों में हर यह कोशिश अवश्य की जानी चाहिए कि बच्चों को उनके पारिवारिक समूह(जान पहचान के) में रखा जाए– जैसे माता–पिता, भाई–बहन, रिश्तेदार और/या पड़ोसी। इस प्रकार परिवार के सदस्यों को सहयोग उपलब्ध करा कर आपदा के बाद समुदाय के विकसित करने का अवसर देना बच्चों को संरक्षित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में एक है।

सुरक्षित स्थल

'सुरक्षित स्थल'' शब्द का उपयोग ऐसे स्थानों की पहचान के है जहां किसी ख़तरे, धमकी या आपदा के बाद शारीरिक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा बच्चों के लिए सुनिश्चित हो। स्थल का एक महत्वपूर्ण कार्य एक दूसरे के बीच भरोसे और भावनात्मक सुरक्षा कायम करना है। सुरक्षित स्थलों में उपलब्ध कराये गये कार्यक्रम के लिए आवश्यक है कि वे समग्र (जो बच्चों की सभी जरूरतों को संबोधित करें), समावेशी (सभी व्यक्तियो और समूहों के लिए खुले), सम्मानजनक (सक्रिय रूप से सुनने और गैर अनुमानित सहयोग प्रतिबिंबित करने वाले) बाल केंद्रित (बच्चों को विकल्प तय करने देना उनकी गतिविधियों के लिए अपने से समय निश्चित करने देना) हों । यहां और ऐसे नाटकों को शामिल करना जो मुक्त अभिव्यक्ति को बढाव देते हों (रोल प्ले, कला गतिविधियां) आवश्यक है। बच्चों के सुरक्षा स्थल में प्रारूपिक गतिविधियों में शामिल है मुक्त प्ले, नाटकीय प्ले, क्ले और सैंड प्ले, अर्थपूर्ण कला, पारंपरिक खेल,, गीत और कहानियां आदिं (देखें *स्टार्टिंग अप चाइल्ड सेंटर्ड सपेसेज इन इमरजेंसीज: अ फील्ड मैनुअल* यहां

आपदा के बाद बच्चों को आवश्यकता होती है:

- *महत्वपूर्ण वयस्कों के साथ सुसंगत रिश्ते*
- *सुरक्षित और पोषक वातावरण*

http://toolkit.ineesite.org/resources/ineecms/uploads/1058/Starting_Up_Child-centered_Spaces.PDF)।

व्यावहारिक उपयोग

इसीडीआरआर(ECDRR) कार्यक्रम, डिजाइन और कियान्वयन के क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों को निम्न के लिए प्रयास करना चाहिए।

1. सभी स्तरों पर बच्चों की आवश्यकताएं नीति, नियोजन–जोख़िम न्यूननीकरण और तैयारी में शामिल की जाएं।

राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर संभावित खतरों के प्रति जागरुकता को प्रोत्साहित किया जाए और संसाधनों के जोख़िम के प्रति उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। समुदाय स्तर पर सेवाओं में ताकत और कमज़ोरी की जांच की जाए और स्थानीय आपात योजना को विशेष रूप से केंद्र में रखकर छोटे बच्चों और परिवार को सहयोग बढ़ाने के पक्ष में कार्य किया जाए। नगर/शहर नियोजकों, शिक्षा विभाग और समुदाय के सदस्यों से इसीसीइ(ECCE) सेटिंग के स्थान, वहां तक पहुंच और उसकी डिजाइन के बारे में बात की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों और परिवार की पहुंच, उपकरणों से सज्जित और सुरक्षित आश्रय स्थल तक हो। विस्तृत स्कूल सुरक्षा ढांचा, जैसे ढांचा, अधिक सुरक्षित स्कूल सुविधाओं, स्कूल आपदा प्रबंधन और जोख़िम न्यूनीकरण और सहनशीलता शिक्षा में उपयोगी दिशानिर्देश उपलब्ध करा सकता है।

कक्षा स्तर पर ऐसे कार्यक्रम लागू किये जाएं जो देखभाल करने वाले और बच्चों में ज्ञान, कौशल और उचित रुख का संचार करें,जिससे आपदा में वे शांतिपूर्ण और दायित्वपूर्ण ढंग से स्थिति का सामना कर सकें। बचपन और घर के सेटिंग में यह सुनिश्चित किया जाए कि फर्नीचर और उपकरण इस तरह रखे हुए हैं कि त्वरित निकासी हो सके– साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि शिशुओं को आपदा से बचाने का प्रबंध वहां है। छोटे बच्चों के खतरों की मैपिंग की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सुरक्षित और असुरक्षित जगहों की पहचान उन्हें है। बच्चों के जीवन भूमिका अदा करने वाले– देखभालकर्मी, शिक्षकों, प्रशासकों, स्वास्थ्य पेशेवरों और दूसरे वयस्कों के बीच *आपदा से पहले, आपदा के दौरान* और *आपदा के बाद* क्या करना है इसे लेकर उनमें जागरूकता बढ़ायी जाए। शैक्षिक सामग्री, खेल, गीत और दूसरी शैक्षिक विधियों में डीआरआर(DRR) पर ध्यान देना शामिल किया जाए। छोटे बच्चों की सीखने और साझा करने की प्रभावी दक्षता को स्वीकार किया जाए और उन्हें जोख़िम न्यूनीकरण गतिविधियों में भागीदारी करने दिया जाए। मीडिया और दूसरे संचार माध्यमों का उपयोग कर संदेश उन तक पहुंचाया जाए जिनकी पहुंच बचपन कार्यक्रमों तक नहीं है ।

2. छोटे बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें

बहुत कम उम्र से बच्चों में जोख़िम न्यूनीकरण में कार्य करने की क्षमता होती है (पीक, 2009)। जब संसाधनों और सूचनाओं तक देखभाल करने वालों और बच्चों की पहुंच होती है तब कमजोरियां कम होती हैं और सहनशीलता बढ़ती है। उन्हें जोख़िम न्यूनन, तैयारी और प्रतिक्रिया गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इन कार्यक्रमों तक जिनकी पहुंच नहीं हो उन तक पहुंचने के लिए मीडिया का उपयोग किया जा सकता है।

3. स्थानीय संदर्भ के अनुसार इसीडीआरआर(ECDRR) को स्वरूप दें

स्थानीय इसीडीआरआर(ECDRR) समन्वय नेटवर्क, हितधारकों और सलाहकारों के साथ काम करें जिसे इसीडीआरआर(ECDRR) को स्थानीय स्वरूप दिया जा सके और देखा जा सके कि रणनीतियां सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त हैं या नहीं और क्या वे हर समुदाय की आवश्यकता पूरी करती हैं? स्थानीय जानकार लोगों की समिति या उनका समूह बनाया जाना यह एक प्रभावी रणनीति हो सकती है जिसमें कार्य को और बेहतर तरीके से किया जा सके। (हेडेन और कलिगोन 2011)। ऐसे पेशेवर और सलाहकार, जिनके पास बचपन के बारे में ज्ञान है वे

इस क्षेत्र में काम करने वाले कर सकते हैं :

- *बच्चों की आवश्यकताओं को नीति, नियोजन, जोखिम न्यूनन और तैयारी को शामिल करने का काय*
- *बच्चें की भागीदारी सुनिश्चित करने का कार्य*
- *स्थानीय संदर्भों के अनुसार इसीडीआरआर(ECDRR) को ढालने का कार्य संदथ*

वर्तमान संसाधनों और सामग्री को स्थानीय परिवारों और बच्चों के अनुरूप ढालने में सहायता कर सकते हैं (हेडेन और कलिगोन, 2011)।

निष्कर्ष

मस्तिष्क विकास के बारे में नयी समझ इस अनुभव पर बल देती है कि जीवन के प्रारंभिक वर्षों में गुणवत्तापूर्ण बचपन कार्यक्रम सहनशीलता, सामाजिक स्थिरता, और यहां तक कि राष्ट्रीय उत्पादकता बढ़ाता है। हालांकि बच्चों से संबंधित रिपोर्टों में इसीडीआरआर इसीडीआरआर(ECDRR) को बेहतर करने के दिशानिर्देश उपलब्ध हैं। किसी स्थानीय और राष्ट्रीय डीआरआर (DRR) योजना में समुदाय सहयोग और कार्यक्रमों का मूल्यांकन और संवर्द्धन, बचपन के क्षेत्र में काम करने वालों और शिक्षकों के लिए लक्षित प्रशिक्षण और बच्चों की विभिन्न डीआरआर(DRR) गतिविधिया में भागीदारी का सरलीकरण– ऐसी कुछ सिफारिशें हैं जो इसीडीआरआर(ECDRR) के लक्ष्य के रूप में तय की गयी हैं। ऐसे बहुत सारे संसाधन, सामग्री और कार्यक्रम सहयोग जो स्कूली बच्चों के लिए उपलब्ध हैं उनका अनुकूलन (उपयोग) छोटे बच्चों के लिए भी किया जा सकता है। विकास के इस महत्वपूर्ण चरण में और कैसे विशेष रूप से सहायता की जाए इसके लिए आगे और शोध किये जाने की आवश्यकता है।

फॉलो अप प्रश्न

1- प्रभावी इसीडीआरआर(ECDRR) लिए राष्ट्रीय स्तर पर किस कार्रवाई की आवश्यकता होती है?

2- प्रभावी इसीडीआरआर(ECDRR) के लिए समुदाय और स्कूल स्तर पर किस कार्रवाई की आवश्यकता होती है?

3- देखभाल करने वाले और अन्य लोगों– जिनके पास बच्चों की जिम्मेदारी है, पर औपचारिक कार्यक्रम तक उनकी पहुंच नहीं है– ऐसे लोगों के बीच डीआरआर(DRR) जागरुकता बढ़ाने के लिए क्या किया जा सकता है?

4- इसीडीआरआर(ECDRR) नियोजन और गतिविधियों में छोटे बच्चों की सक्रिय □ागीदारी को और सहज बनाने और सहयोग देने के लिए क्या किया जा सकता है?

Bibliography

All the references in this Research into Action Brief, and many more, can be found in the CCRR and CSS Bibliography at:

https://www.zotero.org/groups/1857446/ccrr_css

Find all the references on this topic using the tag “Early Childhood”.

Readings

American Academy of Pediatrics, American Public Health Association, National Resource Center for Health and Safety in Child Care and Early Education 2011, *Caring for Our Children - National Health and Safety Performance Standards*: *Guidelines for Early Care and Education Programs*, 3rd edn, .

FEMA 2013. IS-36: Multihazard Planning for Childcare
http://training.fema.gov/EMIWeb/IS/courseOverview.aspx?code=is-36

GADRRRES 2015, Comprehensive School Safety Framework

IFRC & Save the Children 2018, *Public Awareness and Public Education: Key Messages*, 2nd edn.

Riopelle, D. et al 2004, *Head Start Disaster Preparedness Workbook*, UCLA Center for Public Health and Disasters, Los Angeles.

Suggested citation: Hayden, J. and Petal, M. (2018) *Early Childhood and Disaster Risk Reduction*. GADRRRES Research-into-Practice Brief.

© 2018 Global Alliance for Disaster Risk Reduction and Resilience in the Education Sector
The complete series of case studies can be found at: http://www.gadrrres.net/resources